इसरो अध्यक्ष को डी-लिट की उपाधि

- यूटीयू ने अपने सातवें दीक्षांत समारोह में डी.लिट और डीएससी की उपाधियां दीं
- प्रो. वर्मा बोले, इजरायल हमास युद्ध का देश पर भी पड़ेगा असर, हमें रहना होगा तैयार

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) ने इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ को डी. लिट की मानद उपाधि से नवाजा है। आईआईटी कानपुर के रिटायर प्रोफेसर और जाने माने भौतिक वैज्ञानिक पद्श्री प्रो. हरीश चंद्र वर्मा को डीएससी की मानद उपाधि दी गई।

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मंगलवार को इसरो अध्यक्ष सोमनाथ ऑनलाइन जुड़े। उन्होंने कहा कि आज भारतीयों का हर क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन पूरी दुनिया देख रही है। ऐसे में नए पासआउट हुए युवा इंजीनियरों और छात्रों की जिम्मेदारी है कि वे अपने ज्ञान को देश के विकास में लगाएं। उनकी उपाधि राज्यपाल ले.जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह और तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने इंडियन इंस्टीट्यूट आफ रिमोट सेंसिंग (आईआईआरएस) के निदेशक डॉ. आरपी सिंह को दी।

इजरायल का असर भारत तक पड़ेगा: पद्श्री प्रो. हरीश चंद्र वर्मा को भी राज्यपाल व तकनीकी शिक्षा मंत्री ने डॉक्टर आफ साइंस की उपाधि प्रदान की। इस मौके पर प्रो. वर्मा ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने विवि में जो शपथ ली है उसे हमेशा याद रखना होगा। अपने ज्ञान का उपयोग देश, प्रकृति और समाज के हित के लिए करें। उन्होंने कहा कि आज ग्लोबल विलेज की जो अवधारण बन गई है, उससे दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटना का पूरे विश्व पर असर पड़ रहा है। इजराइल और हमास के युद्ध का असर कहीं न कहीं भारत पर भी पड़ेगा, लेकिन कितना और किस तरह का असर होगा ये अभी हम कह नहीं सकते। लेकिन हमें हर परिस्थिति के लिए तकनीकी और मानसिक रूप से तैयार रहना होगा।

> इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ के नेतृत्व में देश ने कई आयामों को छुआ है। अंतरिक्ष विज्ञान में नया इतिहास भी रचा है। उन्हें कोई उपाधि देना उपाधि का सम्मान है।
>
> -पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री